(ख) क्या प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष और अन्य अधिकारियों को, जो पिछली सरकार के कृपा-पात्र थे, बिना पारी के पदोन्नति दी गई ;

(ग) क्या सरकार का विचार इस बोर्ड की आपातकालीन स्थिति के दौरान कार्यवाहियों की जांच करने का है ; और

(घ) यदि हां, तो, उक्त जांच कब तक पूरी हो जाने की संभावना है और क्या सरकार का विचार उक्त बोर्ड के कार्यकरण में सुधार करने का है ?

वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के भूतपूर्व अध्यक्ष के सेवाकाल में 31-12-1977 तक की वृद्धि मंजूर की गई थी। उनके दिनांक 26-3-1977 के आवेदन पत्र के उत्तर में उन्हें 1-4-1977 से 31-12-1977 तक की छुट्टी इस शर्त के साथ मंजूर की गई थी कि वे छुट्टी की समाप्ति पर, 31-12-1977 के अपराह्न से, अन्ततः सेवा में नहीं रहेंगे। उन्हें छुट्टी पर जाने की सलाह दिये जाने के बाद ही उनके द्वारा यह आवेदन-पत्र दिया गया था।

(ख) केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति, योग्यता के आधार पर, चयन द्वारा की जाती है। केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड के भूतपूर्व अध्यक्ष का इस पद पर अप्रैल, 1974 में चयन किया गया था। उन्हें भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के दो अधिकारियों, के मुकाबले, जो उनसे वरिष्ठ थे, तरजीह देते हुए नियुक्त किया गया था। आपात स्थिति की अवधि के दौरान, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड में कार्यरत भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के किसी भी अधिकारी को, सेवा के किसी भी संवर्गीय-पद पर उसकी बारी आने से पहले पदोन्नत नहीं किया गया था।

(ग) और (घ). आपात-स्थिति हटा लिये जाने के बाद, जांच आयोग अधिनियम, 1952 के अन्तर्गत गठित किसी भी जांच आयोग द्वारा की जा सकने वाली जांच से हट कर आपातस्थिति के दौरान केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड के कार्यचालन की अलग से जांच करवाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

प्रशासनिक तंत्र के कार्य-निष्पादन पर, जिसमें केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड का कार्य-चालन भी शामिल है, निरन्तर निगरानी रखी जाती है और जब कभी आवश्यकता पड़ती है तो उसमें सुधार लाने के लिये समुचित उपाय किये जाते हैं।

काफी की तस्करी

2968. **श्री नवाब सिंह चौहान :**
श्री एम० गोपाल रेड्डी :
श्री श्री अनन्त दवे :
श्री शंकर सिंह जी बाघेला :

क्या **वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 13 जून, 1977 के 'हिन्दुस्तान टाइम्स' में प्रकाशित इस आशय के समाचार की ओर दिलाया गया है कि चांदी और बढ़िया किस्म के चावल की भांति ही, तस्कर देश के बाहर काफी का तस्कर निर्यात कर रहे हैं और उस पर भारी मुनाफा कमा रहे हैं ;

(ख) किन-किन देशों को कितनी-कितनी मात्रा में तस्करी से काफी भेजी जाती है ; और

(ग) काफी की तस्करी रोकने के लिए सरकार क्या प्रयास कर रही है ?

वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) जी,

हां । यद्यपि इन मदों की बड़े पैमाने पर तस्करी नहीं हो रही है, परन्तु हाल ही में काफी की देश से बाहर तस्करी करने के कुछ छुटपुट मामले देखे गये थे ।

(ख) मई-जून, 1977 की अवधि के दौरान सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा पकड़ी गई काफी की कुल मात्रा 1378 किलोग्राम है । माल पकड़ने की इन कार्यवाहियों से यह संकेत मिला कि काफी का फारस की खाड़ी के देशों को तस्कर निर्यात किया जाना था ।

(ग) क्षेत्रीय कार्यालयों को सतर्क रहने तथा समुद्र अथवा हवाई जहाज से भारतीय काफी के तस्कर निर्यात के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए उपयुक्त प्रकार से सावधान कर दिया गया है ।

Import of Edible Oil

2969. SHRI AHMED M. PATEL: Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) the quantity of edible oil imported during the last three months;

(b) the mode of distribution of edible oil to the States; and

(c) the quantity of imported oil allotted to the State of Gujarat; District-wise?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES & COOPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): (a) to (c). The information is being collected and will be laid on the table of the House.

Import of Edible Oil

2970. SHRI AHMED M. PATEL: Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) the names of the countries from where the edible oil is being imported this year and quantity thereof;

(b) the foreign exchange to be spent on it; and

(c) the steps taken by Government to increase its production in the country?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES & COOPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): (a) to (c). The information is being collected, and will be laid on the Table of the House.

Cost of Living Index

2971. SHRI P. K. KODIYAN: Will the Minister of FINANCE AND REVENUE AND BANKING be pleased to state:

(a) the present cost of living index;

(b) what steps are being taken to ensure that cost of living index does not shoot up and the price-line is held; and

(c) the extent of increase in the cost of living index in the last three years and the main factors responsible for the same.

THE MINISTER OF FINANCE AND REVENUE AND BANKING (SHRI H. M. PATEL): (a) and (c). The All-India Industrial Workers' Consumer Price Index (1960 = 100) for May, 1977 (the latest available) stands at 318 as against 294 for May 1974, an increase of 8.2 per cent in three years There was a rise in the index during 1974-75 because of lower agricultural production combined with high international prices of foodgrains, fertilisers non-ferrous metals and petroleum products. In 1975-76 prices declined as a bumper agricultural season at home was accompanied by decline in prices abroad. This trend was however, reversed in 1976-77 because of shortages of some commodities like pulses, edible oils and cotton and high prices of some of our export commodities like tea and coffee.